epaper
हिन्दुस्तान

गुरुनानक के सिद्धांतों पर चलें तो मिलेगा लक्ष्य : मुर्मू

प्रकाश पर्व

रांची | प्रमुख संवाददाता

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची और रांची विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को गुरुनानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व समारोह आयोजित किया गया। आर्यभट्ट सभागार में आयोजित इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू मौजूद थीं।

राज्यपाल ने गुरुनानक देव जीवन से जुड़े प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगर हम जीवन में लक्ष्य रखते हैं, तो गुरुनानक देव के सिद्धांतों चलकर उन्हें अवश्य हासिल कर सकते हैं। उन्होंने रांची विश्वविद्यालय को गुरुनानक देव के सिद्धांतों और विचारों को निरंतर कार्यक्रम के माध्यम से प्रसारित करने का सुझाव दिया।

आर्यभट्ट सभागार में कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू व अन्य। • हिन्दुस्तान

मुख्य वक्ता जयपुर से आए शिक्षाविद राष्ट्रीय सिख संगत के सदस्य जीएस गिल गुरुनानक देव के सिद्धांतों को पर्यावरण, नारी शक्ति से जोड़ते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

साथ ही, गुरु नानक देव के कर्म और विचारो के बारे में बताया। गुरु नानक, सिख धर्म के संस्थापक और दस सिख गुरुओं में से पहले, सर्वशक्तिमान, निर्माता के संदेश का व्यापक प्रचार किया है। उनके तीन मार्गदर्शक सिद्धांत, नाम जपना (भगवान का नाम दोहराने के लिए), किरत करणी (श्रम में संलग्न होने के लिए तैयार), और वंड छकना (दूसरों के साथ साझा करने के लिए समर्पित हैं) का पालन हर सिख की ओर से किया जाता है।

मौके पर गुरु नानक देव के जीवन पर आधारित कथा वाचन, पेंटिंग प्रतियोगिता, खेल और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें गुरु नानक स्कूल और एलईबीबी हाई स्कूल के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। एक कला और शिल्प प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। मौके पर आरयू के वीसी रमेश कुमार पांडेय, डीएसपीएमयू के वीसी डॉएसएन मुंडा, आरयू की प्रति कुलपति डॉ कामिनी कुमार, डॉ एके चौधरी, डॉ अजय कुमार मिश्रा, डॉ कमल कुमार बोस समेत अन्य मौजूद थे।

प्रो एचबी सिंह ने अरदास और प्रार्थना की

आईजीएनसीए, क्षेत्रीय शाखा के पीजी डिप्लोमा कोर्स इन ट्राइबल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स के छात्रों ने यह प्रदर्शनी लगायी। इसमें आदिवासी महिला चित्र, गोंड कला, सोहराई और कोहबर कला के चित्र और कलाकृतियों सहित अपने स्वयं के कला कार्यों का प्रदर्शन किया।

Guv: Students should imbibe values of Gurunanak Dev

Governor Droupadi Murmu participating during 'Samagam'on the occasion of the 550th Birth Anniversary of Guru Nanak Dev, organised by Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi in collaboration with Ranchi university, in Ranchi on Friday Pioneer photo

ASTHA ■ RANCHI

A cultural event was organised by Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi in collaboration with Ranchi university to commemorate the 550th Birth Aniversary of Guru Nanak Dev, named on January 24, named Samagam.

Speaking on the occasion, Governor, Draupadi Murmu, who was the Chief Guest of the event said, "Peace, harmony, happiness are the mortal objects for people. We are thankful to Sikh community as the divinity and rationality they keep is quite inspiring. If students are taught 'Ardas (prayer to God)', they will get on the right track. The kind of disturbances in the country is painful to watch, therefore I would like to emphasize on the need of peace and knowledge that Gurunanak Dev brought on this Earth."

"Gurunanak Dev worked for social cause and always asked his followers to work for the humanity. Serving the society was the only priority of Guru Nanak devji," said Dr SN Munda, Vice- Chancellor of Dr. Shyama Prasad Mookerjee University. He also discussed about the relevance of cultural studies and how important it is for students to imbibe the values of the saint.

A day-long program at Aryabhatta Auditorium, Ranchi University, included events such as painting, exhibition story-telling and quiz was organised. The sessions entailed discussions around the historical and political contribution of Guru Nanak Dev, significance of his teachings in contemporary India, the need to follow the principles advocated by him on social justice, equality and self-service, etc.

Chief Guest of the occasion was Governor Draupadi Murmu. Other's who graced the event were Dr S.N Munda, VC of DSPMU, Dr. Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University, G.S Gill, Sikh Scholar, Ajay Kumar Mishra, Mithilesh Pandey, Poonam Anand etc.

"Communication is the key to spread the word of unity. Gurunanak Dev Ji believed in one God and stood against the caste and discrimination. Humans made caste and God has nothing to do with it. He believed in sovereignty and brotherhood," said G.S Gill, lecturer and eminent Sikh Scholar. Emphasising on Women empowerment he said that no one has the power to disrespect women. She is the one who gave birth to eminent Kings and rulers.

The Chief Guest also thanked the PG Diploma students who took active interest in organising such program. Such events must take place in more numbers to encourage cultural teachings, she added.

आज

राजधानी

सूर्य मंदिर
वैन पलट

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के
घायल हो गए। बताया जा रहा है
लोग जा रहे थे। ब्यांगडिह के समी
गया। खबर लिखे जाने तक मृतक

गुरुनानक देव के सिद्धांतों और विचारों को आत्मसात किये जाने की जरूरत : राज्यपाल

श्री गुरुनानक देव का 550वां प्रकाश पर्व मनाया गया

रांची। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची एवं रांची विश्वविद्यालय के तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव का 550वां प्रकाश पर्व समारोह मनाया गया। इस उत्सव को दुनिया भर में भव्य रूप से मनाया जा रहा है, जिसमें प्रेम, शांति, समानता और भाईचारे की शिक्षाओं पर विशिष्ट रूप से जोर दिया जा रहा है, उसे ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय शाखा रांची ने शुक्रवार को विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से, गुरु नानक देव के उपदेशों को लोगो अवगत कराने के लिए प्रकाश पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अद्वितीय आध्यात्मिक, राजनीतिक और सामाजिक मंच पर विचार करना था जिसे उन्होंने स्थापित किया था। कार्यक्रम का उदघाटन पूर्वाहन 10.30 बजे जी.एस. गिलऔर प्रो. एच.बी. सिंह की उपस्थिति में हुआ। गुरु नानक देव के जीवन पर आधारित कथा वाचन, पेंटिंग प्रतियोगिता, खेल और प्रश्नोत्तरी में गुरु नानक स्कूल और रांची के एल.ई.बी.बी. हाई स्कूल के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कला और शिल्प पर एक

प्रदर्शनी, मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू उपस्थित थी जिन्होंने श्री गुरुनानक देव जी जीवन के ऊपर प्रकाश डाला एवं उन्होंने बताया कि अगर हम जीवन में लक्ष्य रखते है और उसे गुरुनानक के सिद्धांत पर चले तो वह अवश्य ही पूरा होगा। ऐसे ही बहुत सारे महत्वपूर्ण बाते उन्होंने बच्चो और उपस्थित लोगो को बताया साथ ही उन्होंने रांची विश्वविद्यालय एवं संस्था से अनुरोध किया कि श्री गुरुनानांक देव के सिद्धांतो और विचारो को निरंतर कार्यक्रम के माध्यम से बताते रहे। मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में जयपुर से आए शिक्षाविद, विद्वान, राष्ट्रीय सिख सांगत के सदस्य जी.एस गिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूपमें रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ) रमेश कुमार पाण्डेय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कुलपति प्रो. (डॉ) एस.एन. मुंडा, आई.जी. एन.सी.ए, क्षेत्रीय शाखा रांची के निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्रा मंचासीन थे। मुख्य वक्ता गिल ने श्री गुरुनानक जी के सिद्धांतो को पर्यावरण, नारी शक्ति से जोड़ते हुए विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला और उनके कर्म एवं विचारो के बारे में लोगो को ज्ञात कराया। कार्यक्रम के अगले चरण में शबद कीर्तन का आयोजन किया गया जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रमका संचालन आदित्य झा, कला एवं इतिहासकार ने किया। कार्यक्रम डॉ अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। धन्यवाद ज्ञापन रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पाण्डेय ने किया एवं कार्यक्रम में प्रो. कामिनी कुमार, नवजोत सिंह अलंग, प्रो. इच्छापुरक, पूनम आनंद, मिथिलेश पाण्डेय, मनीष मिधा, प्रो.बिनोद कुमार व प्रो. कमल कुमार बोस समेत अन्य शिक्षाविद मौजूद थे।

रांची, शनिवार, 25 जनवरी 2020

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

रांची

1861 में हुई थी रांची कोर्ट की स्थापना II

www.jagran.com

सप्तरंग

बोर्ड एग्जाम : साइंस

प्रैक्टिस से बढ़ाएं स्पीड

IV

प्रणाम

- **कलश यात्रा** : विश्वकर्मा प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर कलश यात्रा, विश्वकर्मा नगर रातू रोड, सुबह 8:30 बजे
- **वार्षिकोत्सव** : जेके इंटरनेशनल स्कूल द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन, अरगू, रातू, सुबह 10 बजे
- **उद्घाटन** : फोर्टी कोर्ट्स बिल्डिंग का उद्घाटन, सिविल कोर्ट रांची, सुबह 10:30 बजे
- **कार्यक्रम** : यूएस काउंसलेट की ओर से एंटी ट्रैफिकिंग पर कार्यशाला, होटल रेडिशन ब्लू, समय 11 बजे
- **वार्षिकोत्सव** : ट्राइनीटॉट इंग्लिश हाइ स्कूल द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन, द केपल्स बैंक्वेट हॉल, बीजेपी ऑफिस, हरमू, दोपहर 2:30 बजे
- **माघ उत्सव** : बांग्ला सांस्कृतिक कर्मियों द्वारा माघ उत्सव का आयोजन, ब्रह्म समाजमंदिर, ईस्ट जेल रोड, शाम 6 बजे

गुरुनानक के विचार अपना लें तो संवर जाएगी जिंदगी

राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में हुईं शामिल, गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर आइजीएनसीए की ओर से कार्यशाला का आयोजन

जागरण संवाददाता, रांची : राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि गुरुनानक देव सदैव मानवता को जात-पंत से ऊपर माना। जीवन पर्यंत सभी मानव को एक ही ईश्वर की संतान मानते हुए आपसी भाईचारगी के साथ रहने के लिए लोगों को प्रेरित किया। गुरु नानक देव के विचार और उद्देश्य को आत्मसात कर लें तो जिंदगी बन जाएगी। आपसी बैर समाप्त हो जाएगी और हर ओर शांति सद्भाव का वातावरण होगा। वे शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। इसका आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की ओर से किया गया था। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि खुद की बजाय दूसरें की भी चिंता करें तो मनुष्य रूप में भी भगवान बन सकते हैं। श्रीराम, कृष्ण व गुरु नानक देव भी इस जगत में मानव रूप में ही आए थे। उन्होंने अपने कर्मों से ईश्वर पद को प्राप्त किया।

कर्तव्य के साथ जीवन जीना भी सीखें : राज्यपाल ने कहा कि पहले स्कूल में कक्षा की शुरुआत गुरुवाणी से होती थी। नैतिक शिक्षा का सर्वोच्च स्थान था। आज स्कूल में सिर्फ यही बात होती है कि कैसे आइआइटी क्रैक करें। आइआइटी भी क्रैक करें लेकिन जीवन की वास्तविक शिक्षा से खुद को अलग न करें। अपने अंदर की मनुष्यता को जागृत करने का प्रयास जरूर करें। इसी से जीवन सुखमय होगा। आयोजन समिति सदस्य गुरुचरण सिंह गिल ने कहा कि गुरुनानक देव ने तत्कालीन सत्ता के अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद की। पहले असहिष्णुता का कारण सत्ता का घमंड होता था अब व्यक्ति विशेष के अहंकार के कारण समाज में घृणा-द्वेष का वातावरण है। उन्होंने कहा कि उस दौर में भी गुरुदेव विश्व बंधुत्व व पर्यावरण संरक्षण की बात किया करते थे। उनका मानना था कि जीवन के लिए जिस प्रकार गुरु ज्ञान का महत्व है वही महत्व स्वच्छ वायु का है। उसी प्रकार जीवन में स्फूर्ति के लिए जैसे पिता का आशीष आवश्यक है वही महत्व जल का है। वहीं पृथ्वी को मां का स्थान दिया। मौके पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पांडेय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एसएन मुंडा, रांची विवि के प्रतिकुलपति डॉ. कामिनी कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. अमर कुमार चौधरी, आइएमएस के निदेशक सतीश चंद्र गुप्ता आदि उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से मन मोहा

कार्यक्रम में लाला लाजपत राय स्कूल व गुरुनानक स्कूल के बच्चों की ओर से रंगारंग प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक परिधान में बच्चे खूब जंच रहे थे। राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों को विशेष रूप से शुभकामनाएं दीं।

गुरुनानक देव जी के 550 वें प्रकाश पर्व पर आर्यभट्ट सभागार में हुए कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित बाएं से एके सिंह, श्यामा प्रसाद विवि के कुलपति एसएन मुंडा, राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, जीएस गिल, रांची विवि के कुलपति डॉ. रमेश कुमार पांडेय ● जागरण